मूल्य - 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

जून - 2018

वर्ष 6, अंक 9, पृ.सं. 20

बच्चों में मोतियाबिन्द एवं उपचार

तारा नेत्रालय : विशेष ऑपरेशन अंक

एक बालिका की आँखों में चमकता मोतियाबिन्द

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

आनन्द वृद्धाश्रम

श्री अरुण अग्रवाल : यहाँ प्यार है, मैंने देखा है।

पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर श्री अरुण अग्रवाल जी ने अपनी माताजी की बीमारी में सेवा सुश्रुषु हेतु अपनी अच्छी सी जॉब छोड़ दी। फिर उनकी मृत्यु के बाद वह अकेले ही रह गए एवं आनन्द वृद्धाश्रम, उदयपुर में रहने चले आए। उनका कहना है कि उन्हें राजस्थान बहुत पसंद था और सोच रखा था कि आखिरकार यहीं आ जाऊँगा और हुआ भी यही। तारा संस्थान के बारे में अरुण जी कहते हैं : ''यहाँ प्यार है, मैंने देखा है।''

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

''आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना''

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी ''शांति''	वृद्धजन सहयोगी ''शक्ति''	वृद्धजन सहयोगी ''आस्था''
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

जीवन में बहुत सी महत्त्वपूर्ण चीजों को हम तब पहचानते हैं, जब उन्हें खो देते हैं।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

श्री जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तरुण सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

फोटोग्राफी
अरविन्द शर्मा

तारांशु - वर्ष 6, अंक - 9, जून - 2018

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर / आनन्द वृद्धाश्रम	02
अनुक्रमणिका	03
लेख 1 : माँ	04
लेख 2 : जीवन ज्योति	05
तारा नेत्रालय : विशेष ऑपरेशन अंक / न्यूज ब्रीफ	06-13
गौरी योजना / तृप्ति योजना	14
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल - उदयपुर / मस्ती की पाठशाला	15
विनम्र अपील	16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर	17
स्वागत / धन्यवाद / अभिनन्दन	18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (बाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' की सन्निधि में, साथ में संस्थान सचिव श्री दीपेश मित्तल (दाएं)

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

माँ
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, मस्ती की पाठशाला और अब रोशनी बच्चों के नेत्र शिविर

(विधवा महिलाओं के बच्चों हेतु निःशुल्क शिक्षण) (कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु संध्याकालीन स्कूल) (''बच्चों की आँखों की जाँच व चश्मा वितरण'')

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, मस्ती की पाठशाला और अब 'रोशनी' बच्चों के नेत्र शिविर। बच्चों से संबंधित कोई भी काम माँ से ज्यादा संबंधित हो जाता है, मस्ती की पाठशाला वाले बच्चों से आप कभी मिलेंगे तो लगेगा कि इतनी ज्यादा चमक आँखों में कि जैसे सब कुछ, इस पल खुद में भर लेना चाहते हैं, वो दो घण्टे जो इस पाठशाला में बिताते है लगता है, जान लेना चाहते हैं, कि हमारी दुनिया से अलग दूसरी दुनिया में क्या है, और शायद हम उन्हें उस दूसरे जहाँ की सैर करा पाए.... मैंने ज्यादा वक्त नहीं बिताया है, उन बच्चों के साथ पर उनकी टीचर्स बताती है कि बहुत सीख रहे हैं बच्चे, अब तो उनकी झिझक भी कम हुई है।

जब एक 12 साल की लड़की मुझे कभी A for Apple, B for Boy सुनाती है, तब मेरा दिल रोता है कि बचपन जो कि पढ़ने, लिखने, खेलने के लिए है वो बचपन इनका कचरा बीनते हुए या बरतन मांजने व छोटे भाई बहनों को संभालने में ही बीत रहा है, बच्चे बताते हैं कि मम्मी सुबह 5 बजे चली जाती है। चाय, खाना, वगैरह की व्यवस्था भी नन्हें हाथों को करनी होती है, और शाम को जब माँ आती है, तो शादी का बचा हुआ खाना लाती है, या फिर आकर खाना बनाती है तब दिन भर में एक बार भरपेट भोजन मिलता है और बच गया तो सुबह नाश्ता।

और कभी–कभी धनिया पुदीना की गठरी भी बेचते हैं ये छोटे बच्चे। कई बच्चे ज्यादा बात नहीं करते बस चाहते हैं कि उनको पढ़ाया जाए, शायद कहीं उन्हें अंदाजा हो गया है, पढ़ाई के महत्त्व का। मेरा बहुत मन है कि इन बच्चों को भी उनका बचपन मिले... इस दो घंटे की क्लास में कितना कुछ बदल पाएगा पता नहीं। बस उम्मीद है जो कम नहीं होती कि काश... कुछ हो जाए... चमत्कार भी तो होते हैं, और दो टीचर जिन्होंने B.Ed. किया है, उनके साथ वक्त बिता रही है, तो सकारात्मक असर आएगा ही।

''रोशनी'' बच्चों के कैम्प भी ऐसे ही है जिनमें अभिभावक आँखों की तकलीफ होने पर ध्यान नहीं देते और बच्चों को क्लास में बोर्ड पर लिखा ढंग से दिखाई नहीं दे रहा.... तारा की आई एक्सपर्ट टीम बच्चों की आँखों की जाँच करती है, रिफ्रेक्शन मशीन से एवं नम्बर आने पर तीन दिन बाद उन्हें चश्मे दिए जाते हैं तो सब कुछ क्लियर दिखने लगता है और साथ ही कॉन्फिडेंस भी बढ़ जाता है।

जब भार्गव सा. (तारा के मुख्य संरक्षक) गौरी योजना से लाभान्वित महिलाओं से मिले थे व उनसे पूछा था कि मैं आपकी क्या मदद कर सकता हूँ। सभी का एक ही जवाब था बच्चों को शिक्षित कर दीजिए तभी उन्होंने ''शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल'' स्थापना 2013 में की, अभी 103 बच्चे पढ़ रहे हैं। सभी कुछ निःशुल्क है, माताओं पर भार नहीं है। भार्गव सा. ने उनके जवाब का समुचित समाधान कर दिया।

तारांशु का यह अंक जब आपके हाथों में होगा। तब तक स्कूल खुल चुके होंगे, मस्ती की पाठशाला तो निरन्तर चल रही है, एवम् 'रोशनी' बच्चों के शिविरों में जाँच एवं साथ ही चश्मा वितरण भी। कुल मिलाकर यूं कहें कि ''माँ'' को तसल्ली मिल रही है, जरा सी। आप भी छोटा सा सहयोग देकर उस माँ की तसल्ली में अपना हिस्सा दे सकते हैं।

– कल्पना गोयल

अपनी गलती तुरन्त स्वीकार करने वाले व्यक्ति सद्गुणी होते हैं।

जीवन ज्योति

थोड़ा से दिन पहले की बात है कोई दानदाता आए थे उनको तारा नेत्रालय उदयपुर में विजिट करवाने ले गया... डॉ. लीना दवे से मिलवाया और उनके चैम्बर से बाहर निकल रहा था तो मेरी निगाह एक सज्जन की आँख पर पड़ी, आँख की पुतली एकदम सफेद थी तो मैं रुक गया' वैसे तो समझ गया था लेकिन फिर भी तसल्ली के लिए पूछा कि इस आँख से कितना दिखता है तो उन्होंने बताया बिलकुल नहीं। मैंने पूछा इतने दिन पहले क्यों नहीं आए थे... तो वे बोले पता ही नहीं था तारा के बारे में। तो फिर कहीं और दिखा देते? तो वे बोले : ''पया ही नी हा'' (पैसे नहीं थे)... अगर आँख चली जाती तो?... ''तो कई नी (तो कुछ नहीं)''... । उन दानदाता की डॉ. मैडम से बात कराई तो उन्होंने भी कहा कि इनका मोतियाबिन्द इतना पक गया है कि यदि एक दो दिन भी देर हो जाती तो आँख जा सकती थी। ये महानुभाव राजपूत समाज के एक प्रौढ़ थे जिनकी उम्र भी ज्यादा नहीं थी, 50–51 साल के आस पास ही थी। मैंने उन्हें कहा कि भगवान जी का शुक्रिया अदा करो कि आपकी आँख बच गई।

तारा संस्थान में हम सामान्यतः जाति–धर्म आदि का जिक्र नहीं करते हैं और ना ही इस आधार का कोई भेदभाव मन में हैं लेकिन राजपूत समाज से बताने का आशय सिर्फ यह है कि समाज के comparatively उच्च वर्ग के माने जाने वाले व्यक्ति भी गरीब हो सकते हैं और पैसे का अभाव या जानकारी की कमी एक ऐसी भूल हो सकती है जो उनके आगे के जीवन को अंधेरे से भर देती। आप जरा सा सोचें कि एक व्यक्ति जिन्हें आगे की जिन्दगी के 20–25 साल अंधेरे में बिताने पड़े वो भी सिर्फ इसलिए कि उनके पास पैसे नहीं हैं कितना मुश्किल होता है।

कभी–कभी परिवारों की विपिन्नता भी बुजुर्गों के तिरस्कार का कारण बन जाती है ऐसे में यदि उन बुजुर्गों को दिखाई भी न दे तो कितना मुश्किल हो जाए। बहुत ज्यादा तो नहीं लेकिन कभी–कभी छोटे बच्चे भी मोतियाबिन्द से पीड़ित हो जाते हैं। आँखों में कोई चोट या गर्भावस्था में माँ की बीमारी या और जो भी कारण हों। वो एक भी बच्चा जो कि पैसे के अभाव में आँखों का ऑपरेशन नहीं करा पा रहा और आप और हम मिलकर उसकी रोशनी लौटा दे तो इससे ज्यादा कुछ चाहिये?

मैं हमेशा से कहता रहा हूँ कि तारा संस्थान के वृद्धाश्रम एक निश्चिंतता देते हैं उन बुजुर्गों को जो बेसहारा है साथ ही तारा नेत्रालय भी तो निश्चिंतता दे रहे हैं उन हजारों लोगों को जो शायद पैसों के अभाव में आँखों की ज्योति खो देते। बिना ज्योति जीवन कितना निराश हो जाता, ये जानना हो तो दो मिनट आँखों को बंद कर घर में घूम लीजिए।

आप जो तारा संस्थान को नेत्र शिविरों, आँखों के ऑपरेशनों के लिए सहयोग करते रहे हैं वो सिर्फ ''ज्योति'' नहीं दे रहे हैं वरन एक पूरा ''जीवन'' दे रहे हैं जिससे आखरी कुछ साल बहुत से बुजुर्ग इस खूबसूरत दुनिया को जीवंतता से देखेंगे।

– दीपेश मित्तल

गरीब आदिवासी किशोरी को उसकी दृष्टि लौटाई

ऑपरेशन के पूर्व मरीज

ऑपरेशन के पश्चात्

भैरकी (14 वर्ष) उदयपुर जिले के आदिवासी क्षेत्र के अत्यंत गरीब किसान की एक छोटी बेटी है। दुर्भाग्यवश ऐसी छोटी उम्र में ही मोतियाबिंद होने के कारण उसे दोनों आँखों से दिखना बिल्कुल बंद हो गया। उसके पिता किशन लाल कुछ हजार रुपये महीना कमाते हैं। हालांकि, अपनी प्यारी युवा बेटी के लिए गरीब पिता ने उसे उदयपुर के विभिन्न निजी आँख के अस्पतालों में इलाज करवाने की अपनी पूरी कोशिश की लेकिन उन सबने इंकार कर दिया। शायद इसलिए कि, उन्होंने सोचा कि यह आदमी कैसे उनकी भारी–भरकम फीस का भुगतान करेगा! अंत में, किसी ने उन्हें तारा नेत्रालय, उदयपुर से संपर्क करने का सुझाव दिया। तारा नेत्रालय में जब भी कोई बाल केस आता है, तो आँखों को स्थायी क्षति से बचाने के लिए प्राथमिकता के साथ उनका इलाज किया जाता है। फरवरी 2015 के महीने में, भैरकी और उनके पिता तारा पहुँचे लेकिन ऑपरेशन से पहले खर्चे के बारे में सोच कर थोड़ा डर गए थे। लेकिन जब उन्हें बताया गया कि ऑपरेशन विजन इंडिया फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किया जाएगा और बिल्कुल मुफ्त होगा, ऊपर से उसे मुफ्त में दवाएँ और चश्मे भी दिए जाएंगे। आखिरकार, 24.02.2015 को पहली आँख व 02.04.2015 को दूसरी आँख का ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। लड़की अब स्पष्ट रूप से देखने में सक्षम है। बेटी और पिता दोनों ने तारा संस्थान और विजन इंडिया फाउंडेशन को ढेर सारा धन्यवाद दिया। भैरकी खुश है कि वह अपनी दृष्टि के नुकसान के बारे में चिंता किए बिना अपनी दैनिक गतिविधियों को आराम से कर पाती है।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)
17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु.,
06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु.,
01 ऑपरेशन - 3000 रु.

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

किस प्रकार एक गरीब बच्चे की आँख बच गई : 16 साल के चेतन रेगर का ऑपरेशन

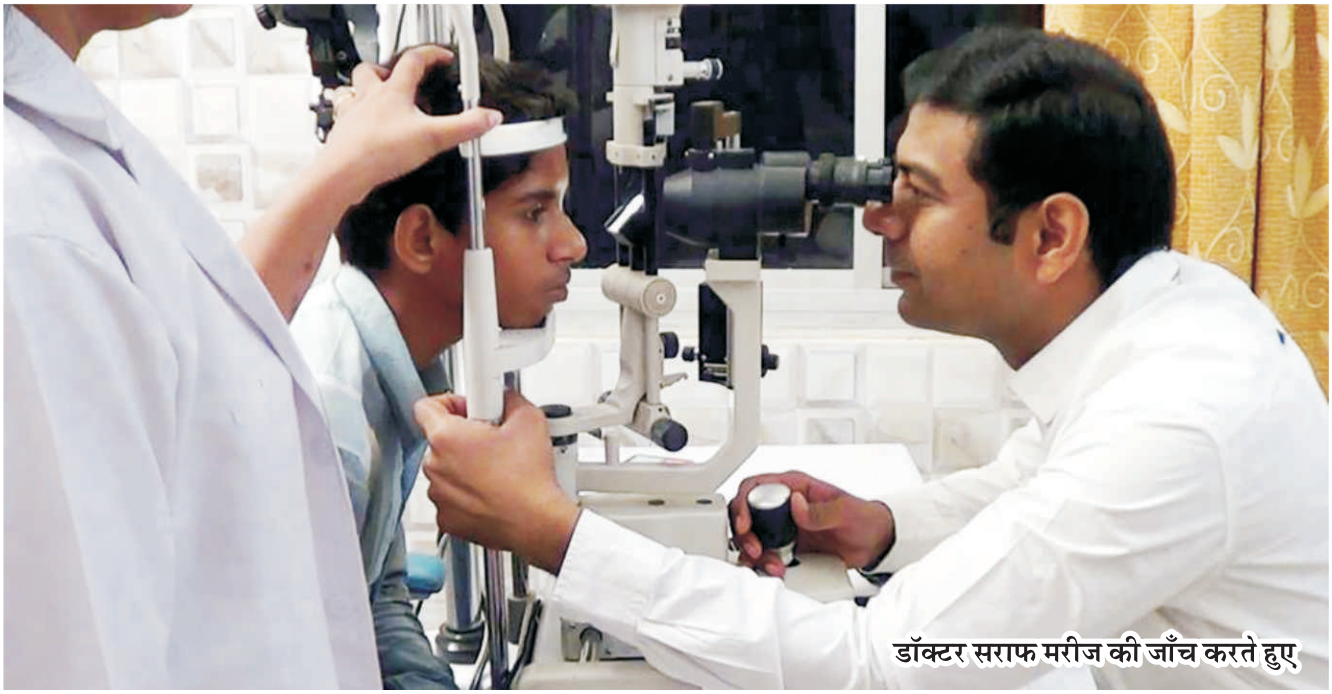

डॉक्टर सराफ मरीज की जाँच करते हुए

चेतन बड़ी सादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.) के एक गरीब मैकेनिक का स्कूल जाने वाला बेटा है। । कुछ साल पहले उसकी बायीं आँख को चोट लग गई जिससे आँखों की दृष्टि में धीरे–धीरे कमी आती गई पिछले कुछ समय से वह कक्षा में बोर्ड पर भी कुछ भी नहीं देख पा रहा था। ऐसी गंभीर परेशानी को देखते हुए चेतन के पिता उसे नीमच में एक डॉक्टर के पास ले गए जिसने ऑपरेशन के लिए 17000 रुपये की मांग की। वह गरीब आदमी इतनी राशि की व्यवस्था नहीं कर सका। सौभाग्य से, एक ज्ञात व्यक्ति ने उसे तारा नेत्रालय की मुफ्त सेवाओं के बारे में बताया तो वह चेतन को यहां ले आये। जांच व निदान के बाद, तारा नेत्रालय के डॉ. सुबोध सराफ ने 13.10.2016 को तत्काल ऑपरेशन कर युवा लड़के की दृष्टि को सामान्य कर दिया। इस प्रकार एक गरीब लड़के की आँख बच गई जिस हेतु वे तारा संस्थान के शुक्र गुजार हैं।

ऑपरेशन के पश्चात्

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

आपने मेरे बच्चे का संसार पुनः लौटा दिया : मरीज का पिता

काजू कुमार नामक 9 वर्षीय बालक एक मजदूर की तीन संतानों में से एक है। जब बच्चा मात्र ढाई तीन साल का था तभी से उसको दृष्टि की समस्या हो गई थी, ठीक से दिखता नहीं था एवं इधर–उधर टकराता था। फिर एक बार उसे मिर्गी का दौरा पड़ा, अस्पताल में ईलाज तो हो गया लेकिन उसकी आँखें लगभग चली गई, ऐसा बच्चे को प्रतीत होता था। मजदूर पिता ने तीन–चार प्राइवेट अस्पतालों में दिखाया लेकिन किसी ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। शायद उसकी गरीबी देख फीस न उगाह पाने की वजह रही होगी। फिर एक बार तारा नेत्रालय का उनके गाँव के नजदीक भीण्डर में शिविर लगा और मार्च, 2018 के मध्य में मरीज बालक को तारा नेत्रालय, उदयपुर लाया गया जहाँ संपूर्ण जाँचों के बाद मरीज की दोनों आँखों में मोतियाबिन्द पाया गया। दिनांक 17 मार्च, 2018 को उसकी एक आँख का सफलता पूर्वक ऑपरेशन किया गया एवं बालक की दृष्टि लौटाई गई। इसी प्रकार दूसरी आँख का ऑपरेशन भी कुछ समय बाद किया जाएगा वह भी पूर्णतः निःशुल्क। पिता ने गदगद होकर तारा संस्थान को धन्यवाद दिया एवं कहा कि आपने मेरे बच्चे का संसार पुनः लौटा दिया।

आखिरकार अनिता के हुआ कांटेक्ट लेंस का इम्पलांट और पुनः मिली रोशनी

तारा नेत्रालय, दिल्ली के डॉ. जयदीप धामा मरीज अनीता जी की जाँच करते हुए

एक विशेष ऑपरेशन दिल्ली के तारा नेत्रालय में 15.04.2015 को संपन्न हुआ। दिल्ली के इंद्रपुरी निवासी श्रीमती अनीता पाडिया की दूर की नजर बेहद कमजोर थी उन्हें दोनों आँखों में – 15 का नम्बर Cylinder के साथ था या सरल शब्दों में कहें तो उन्हें बिना चश्मे नहीं के बराबर दिखता था। अनीता जी ने बताया था कि उनकी इस कमी के कारण उनके पति ने उन्हें छोड़ दिया था और वह अपने मम्मी पापा के पास रह रही थी। उन्होंने कई हास्पीटलों में दिखाया उनका Lasik Laser (चश्मे के नम्बर हटाने वाला आपरेशन) भी संभव नहीं था क्योंकि डॉक्टरों के अनुसार उनकी पुतली की मोटाई भी कम थी। उनकी इस बीमारी का एक ही ईलाज था Implantable Contact Lense अर्थात आँख के अंदर एक लेंस लगाना जिससे कि साफ दिखाई दे। इस तरह का लेंस अपने आप में बहुत महँगा था और उस से भी महँगा उसका आपरेशन था। अनीता ने दिल्ली के कई प्राइवेट अस्पतालों में दिखाया तो उन्होने खर्च 1.25 लाख से 1.5 लाख रूपये का बताया जो करना उनके बस में नहीं था। किसी रिश्तेदार के माध्यम से अनीता को तारा नेत्रालय दिल्ली का पता चला और यहाँ पर जब उन्हें बताया गया कि उनका ऑपरेशन पूर्णःतया निःशुल्क हो जाएगा और उन्हें बस लेंस अपने स्तर से लाना होगा तो वे तुरन्त ऑपरेशन कराने को तैयार हो गई। अनीता जी की दोनों आँखों का ऑपरेशन किया गया और अब उन्हें बिना चश्मे भी एकदम साफ दिख रहा है। अनीता जी और उनके परिवार को जो खुशी तारा संस्थान के माध्यम से मिली उसके साझीदार आप और हम सब हैं।

अच्छी पुस्तकों से बढ़कर कोई दूसरा मित्र नहीं।

अहसानमंद हूँ, तारा संस्थान का प्रचार-प्रसार करुंगा : - मरीज के पिता

9 वर्षीय बालक के मोतियाबिंद का सफल ऑपरेशन

रणजीत अपने माता-पिता के साथ तारा नेत्रालय में

बागौर जिला भीलवाड़ा (राज.) निवासी 9 वर्षीय बालक रणजीत कुमार पुत्र श्री भेरूलाल रेगर को बचपन से ही "डेवलपमेंटल केटरेक्ट" यानि आँखों में मोतियाबिंद हो गया था। बहुत छोटा था तो नार्मल खेलता था तब तो माँ–बाप को कुछ असामान्य नहीं लगा लेकिन जब रणजीत तीसरी कक्षा में बोर्ड पर लिखा नहीं पढ़ पाने की शिकायत करने लगा तो माँ–बाप ने उसका इलाज करवाने की ठानी। उन्होंने कई स्थानीय डॉक्टरों व अस्पतालों से सलाह ली और उन्हें बताया गया कि बच्चे की दोनों आँखों में मोतियाबिंद हो गया था जिसका ऑपरेशन करना होगा। जब ऑपरेशन की कीमत की बात हुई तो भेरूलाल को अलग–अलग अस्पतालों ने काफी भारी–भरकम खर्चा बताया जिसे वह वहन नहीं कर सकते थे। फिर उन्हें अपने परिजनों के माध्यम से तारा नेत्रालय, उदयपुर की जानकारी मिली तो रणजीत को यहाँ ले आए। रणजीत की दि. 26.10.2017 तारा नेत्रालय की वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ (श्रीमती) डॉ. लीना दवे ने जाँच की तथा बाईं आँख (जिसमें नहीं के बराबर दृष्टि बची थी) का 27.10.2017 तुरंत ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। अगले ही दिन सर्जरी की जो कि सफल रही तथा मरीज को स्पष्ट दिखाई देने लगा तथा दाईं आँख का ऑपरेशन 17.01.2018 को किया गया। डॉ. लीना दवे इस सर्जरी से स्वयं संतुष्ट हैं हालांकि उनके पास इस तरह के केस रूटीन में नहीं आते हैं क्योंकि सामान्यतः यह समस्या सिर्फ उम्र–दराज लोगों की ही होती है। 9 वर्षीय बालक रणजीत अपनी दृष्टि पुनः पाकर अति प्रसन्न है। उसके पिताजी श्री भेरूलाल रेगर ने कहा कि इस पूर्णतः निःशुल्क ऑपरेशन के लिए वह तारा के डॉक्टरों, उनकी टीम, तारा संस्थान तथा संस्थान के दान–दाताओं का हृदय से ऋणी है व उनकी मंगल कामना करता है। श्री भेरूलाल का कहना है कि वह तारा संस्थान के मानवीय कल्याण के कार्यों का अपने गाँव व आसपास में स्वयं प्रचार प्रसार भी करेंगे।

ऑपरेशन के पश्चात् मरीज

उपदेश देने का सबसे अच्छा तरीका स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना है।

दानदाताओं के आभारी रहेंगे : मरीज के माता-पिता

जन्मजात मोतियाबिन्द ग्रस्त 10 वर्षीय बालक का निःशुल्क सफल ऑपरेशन

मरीज तारा नेत्रालय में जाँच हेतु

ऑपरेशन के पश्चात् पुनः जाँच हेतु

श्यामलाल गरासिया नाम के एक 10 वर्षीय बच्चे को जन्म से ही दोनों आँखों में मोतियाबिंद था। वह नहीं के बराबर ही देख पता था और जैसे–जैसे वह बड़ा हुआ, स्थिति और भी बदतर होती गई। अब वह अंधेपन के कगार पर था। उसके ग्रामीण माता–पिता गरीब मजदूर हैं और बच्चे को बड़े शहरों के अस्पतालों में ले जाने की स्थिति में नहीं थे, फिर भी उन्होंने उदयपुर के कुछ निजी डॉक्टरों को दिखाया पर सभी ने इस स्थिति का इलाज करने में असमर्थता व्यक्त की। लेकिन उनके एक रिश्तेदार ने उन्हें रोगी को तारा नेत्रालय, उदयपुर ले जाने का सुझाव दिया जहां डॉ. सराफ ने कई परीक्षण करके मोतियाबिंद सर्जरी करने का फैसला किया। 6 अप्रैल, 2017 को रोगी की एक आँख में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया। दूसरी आँख का भी जल्द ही ऑपरेशन हो गया – सब बिल्कुल मुफ्त। श्यामलाल के गरीब माता–पिता तारा संस्थान के दाताओं के बहुत आभारी हैं जिन्होंने इसे संभव बना दिया।

सौभाग्य हमेशा परिश्रम के साथ दिखाई देता है।

मुम्बई से इलाज हेतु तारा नेत्रालय, उदयपुर में लाए 10 वर्षीय बालक लविश कुमार को

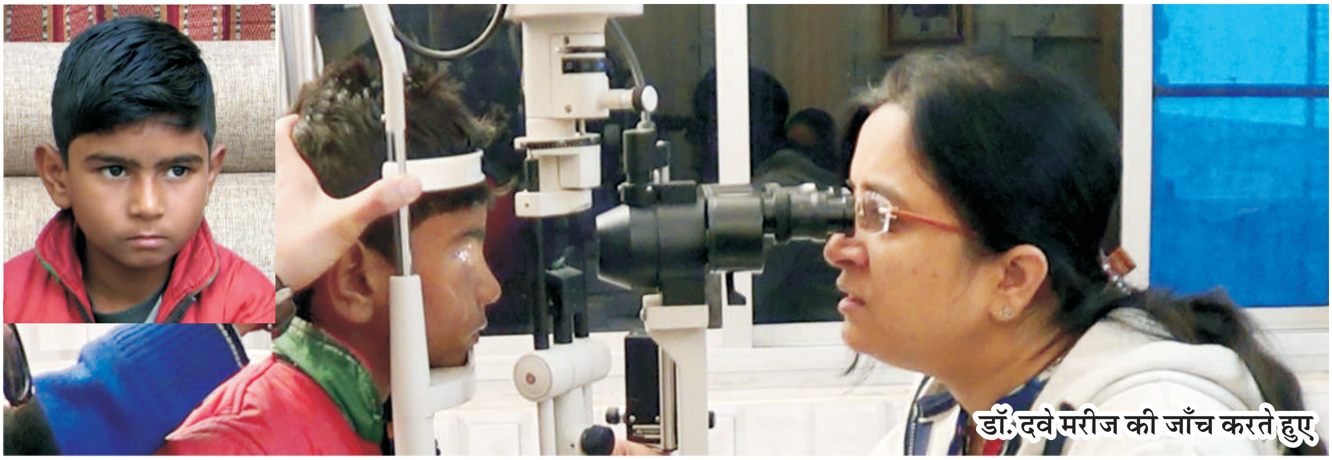

डॉ. दवे मरीज की जाँच करते हुए

लविश जब दो–ढाई साल का था तभी से चलते–चलते गिर पड़ता था या किसी से टकरा जाता था। तीन–साढ़े तीन वर्ष की आयु में जब स्कूल जाने लगा तो अध्यापकों से उसको बहुत डाँट खानी पड़ती थी क्योंकि वह बोर्ड पर लिखा पढ़ता नहीं था एवं कुछ कॉपी भी नहीं करता था एक बार टीचर ने इसके माता–पिता को स्कूल बुलाकर शिकायत की। लविश के अभिभावकों को थोड़ा संदेह हुआ कि कहीं कुछ गड़बड़ है। उन्होंने डॉक्टर को दिखाया तो चश्मा लगवाया लेकिन कुछ दिनों तक ठीक चला फिर वहीं समस्या। डॉक्टर को पुनः दिखाने पर मोतियाबिन्द पाया गया। चूंकि लविश के पिता मुम्बई में चाय की दुकान पर काम करते हैं एवं माँ गृहणी है सो उनकी आर्थिक स्थिति के चलते मुम्बई जैसे शहर में इलाज बहुत महंगा साबित हो सकता था। फिर किसी ने तारा संस्थान के तारा नेत्रालय, उदयपुर के बारे में बताया तो वे लविश को उदयपुर ले आए। सभी प्रकार की जाँच आदि के बाद दिनांक 12 जनवरी, 2018 को लविश के एक आँख का ऑपरेशन सफलता पूर्वक किया गया। दूसरी आँख का 7 मई को किया गया। लविश के माता–पिता तारा संस्थान के दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हैं।

चम्पा मीणा की आँखें ऐन वक्त पर बचा ली गई

ऑपरेशन के पूर्व

ऑपरेशन के पश्चात

25 वर्षीया 3 बच्चों की माँ चम्पा मीणा की तीसरे बच्चे के गर्भ के दौरान नज़रे कमजोर हो गई। डॉक्टर ने बताया कि डीलीवरी के पश्चात नज़र लौट आएगा। ऐसा किसी किसी के साथ होता है 15 दिन तक उसके पति ने सोचा कि चलो डॉक्टर ने बोला है तो दृष्टि लौट आएगी। लेकिन धीरे–धीरे चम्पा की दृष्टि बिल्कुल ही चली गई। चूंकि ये आदिवासी क्षेत्र के लोग है तो इस तरह की व्याधियों आदि में डॉक्टर के अतिरिक्त देवरे, मंदिर आदि में भी पूजा अर्चना अथवा 'बोलमा' करने चले जाते हैं। सो, चम्पा के पति ने भी देवरे में एक बकरे की बलि की 'बोलमा' की और इंतजार करते रहे कि आगे–पीछे दृष्टि लौट आएगी। परन्तु कई महीने बीत जाने के बाद भी वही स्थिति बनी रही तो काफी परेशानी का कारण बन गई। यहाँ तक कि इनके तीसरे बच्चे की शक्ल भी नहीं देख पाई थी। फिर किसी जानकार जिसने स्वयं तारा नेत्रालय, उदयपुर में ऑपरेशन करवाया था, ने तुरंत वहाँ जाने की सलाह दी। तारा नेत्रालय, उदयपुर के डॉ. लीना दवे ने जब जाँच की तो पाया कि चम्पा मीणा की दोनों आँखों में पका हुआ मोतियाबिन्द था। और अगर वह अस्पताल आने में कुछ और देरी करते तो दोनों आँखें खराब हो सकती थी। तो डॉक्टर ने बिना देरी किए 14.04.2017 को एक आँख का हाथों–हाथ ऑपरेशन किया और कुछ हफ्तों बाद दूसरी आँख का करके चम्पा मीणा की आँखें बचाई।

अगर तारा संस्थान नहीं होता तो मेरा पूरा जीवन अँधेरे में ही गुज़रता : लोगरी बाई (मरीज)

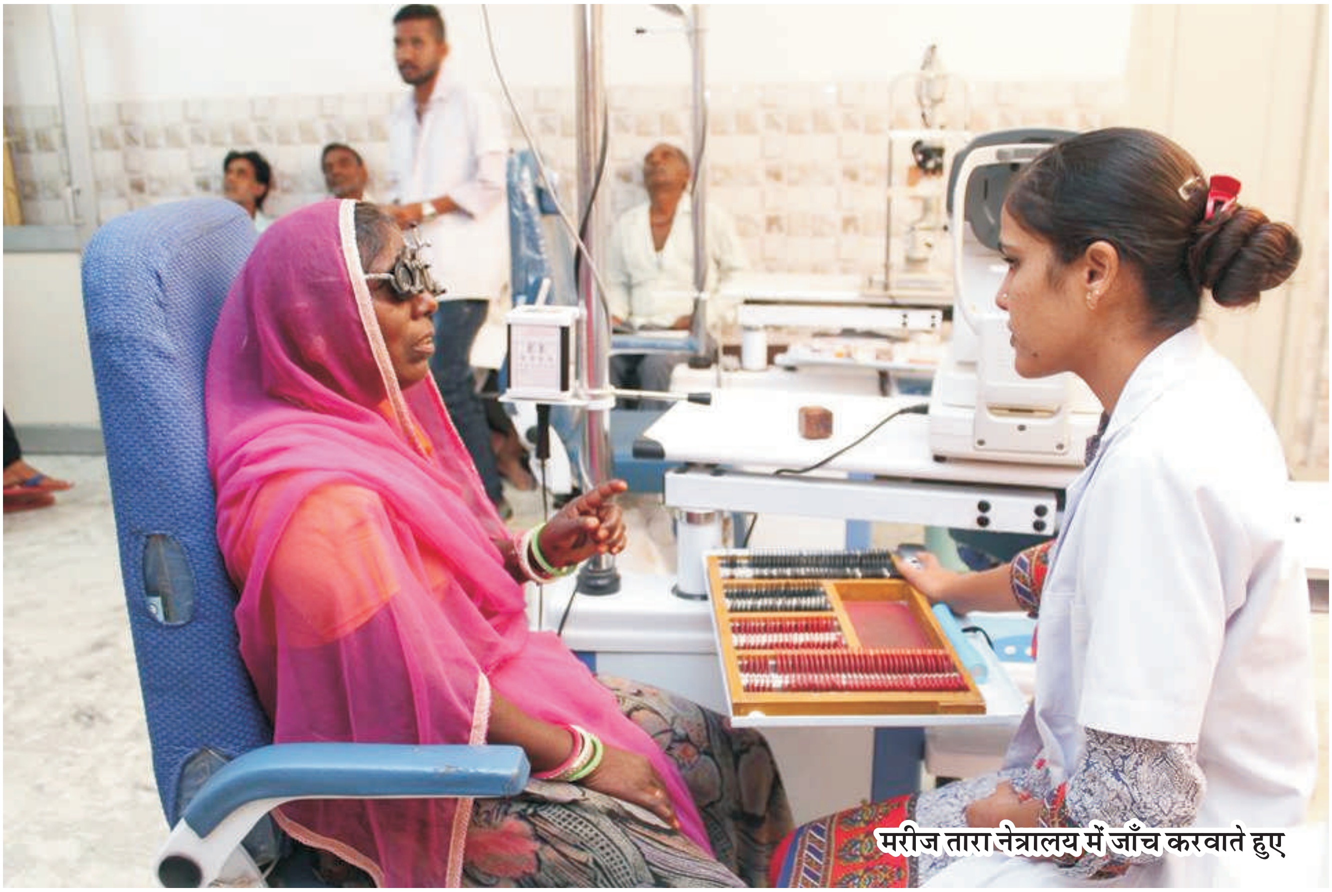

मरीज तारा नेत्रालय में जाँच करवाते हुए

40 वर्षीय गरीब विधवा लोगरी बाई एक अशिक्षित ग्रामीण है जिसकी कोई संतान नहीं है। अपने पति की मृत्यु के बाद वह बेटे और बहू के साथ रहने लगी लेकिन दुर्भाग्य से उसके पुत्र की भी एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई। अब दोनों महिलाएँ तीन बच्चों के साथ अकेले रह गयी। ऊपर से मोतियाबिंद के कारण लोगरी बाई अपनी आँखों की दृष्टि खो रही थी उसे पता नहीं था कि क्या करना है और सोचती थी कि जल्द ही उसके जीवन में अंधेरा छा जाएगा। जब वह अपनी बहू के छोटे–छोटे बच्चों के बारे में सोचती तो और भी परेशान हो जाती। लेकिन सौभाग्य से, एक दिन किसी ग्रामीण ने उसे तारा संस्थान, उदयपुर के नेत्रालय के बारे में बताया। वह किसी तरह से वहां जा पाई। तारा नेत्रालय, उदयपुर में 16.08.2017 को तुरंत उसका ऑपरेशन करके उसकी आँखों की रोशनी लौटाई – सब कुछ मुफ्त में। अब देखने में सक्षम, लोगरी बाई तारा संस्थान की आभारी हैं।

ऑपरेशन के बाद वार्ड में

सहयोग राशि :
आजीवन संरक्षक 21000 रु.,
अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन सदस्य 11000 रु.,
अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

जिसके पास धैर्य है, वह जो कुछ इच्छा करता है, प्राप्त कर सकता है।

एक चुनौतीपूर्ण केस का सफल ऑपरेशन

श्रीमती शोभा त्रिवेदी 58 साल की बुजुर्ग महिला चेकअप हेतु तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयी। उनके दोनों आँखों में मोतियाबिन्द पाया गया। बाएँ आँख का मोतियाबिन्द पूरी तरह से पक चुका था, उस आँख से आधा फीट दूरी तक भी नहीं दिखता था, घरेलु कार्यों में दिक्कत होती थी। चेकअप के दौरान उनकी आँखों की गहराई (Deep Socket) ज्यादा पाई गयी जो ऑपरेशन के लिए अपने आप में बड़ी चुनौती होती है। पूरे चेकअप के बाद उनका ऑपरेशन किया गया। गहरी आँख और Mature Cataract एक साथ संभालना मुश्किल होता है। 29.05.2018 को तारा नेत्रालय में इसका अच्छी तरह से ऑपरेशन किया गया। अभी आराम से देख सकती है। ऑपरेशन के बाद उन्होंने तारा नेत्रालय, डॉक्टर, स्टाफ व तारा संस्थान की सम्पूर्ण टीम को हृदय से धन्यवाद व शुभकानाएँ दी।

न्यूज ब्रीफ :

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में गीत संगीत व भजन के कार्यक्रम शुरु

29 मई, 2018 से नवीन आनंद वृद्धाश्रम परिसर में समस्त वासियों हेतु नियमित रूप से सुबह 11 से 1 बजे तक गीत–संगीत एवं भजन आदि के कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस प्रोग्राम में पुराने और नए आवासियों ने अत्यंत हर्षोल्लास के साथ भाग लिया।

16 वर्षीया को मोतियाबिन्द

तारा नेत्रालय, दिल्ली में एक 16 वर्षीया बालिका सुश्री मनीषा का मोतियाबिन्द का ऑपरेशन 28.02.2018 को सफलतापूर्वक करके उसकी कमजोर दृष्टि को पुनः लौटाई गई। अब वह बहुत स्पष्ट देख सकती है एवं तारा संस्थान की आभारी है।

तारा नेत्रालय में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस-2018

12 मई, 2018 को तारा नेत्रालय, उदयपुर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस – 2018 धूम धाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी नर्सिंग कर्मचारियों को डॉक्टरों द्वारा सम्मानित किया गया।

आनंद वृद्धाश्रम में श्रद्धांजलि सभा

आनंद वृद्धाश्रम में लगभग 2 साल से रह रहे श्री राजेंद्र श्रीवास्तव जी की लम्बी बीमारी के चलते **15 मई, 2018** को निधन हो गई। इस विषाद की घड़ी में वृद्धाश्रम के समस्त वासियों ने 16 मई को एक शोक सभा का आयोजन रखा जिसमें उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्मा की शान्ति हेतु प्रार्थना की। तारा परिवार की ओर से भी श्रद्धा सुमन।

गौरी योजना :

मेरे बच्चे बड़े होवें तब तक मदद जारी रखें : जमना बाई

जमना बाई (35 वर्ष) दो साल पहले तक अपने पति, जो कि स्कूल में टीचर थे, के साथ बड़े अच्छे से सपरिवार जीवन जी रही थी कि अचानक दुर्घटना में पति की मृत्यु हो गई। अनपढ, कार्य अनुभवहीन, जमना के सिर पर 4 बच्चों और सास की जिम्मेदारी आन पड़ी। इधर–उधर कुछ कमा कर परिवार पाल रही है। कभी–कभार निकट के रिश्ते–दार कुछ मदद कर देते हैं पर आखिर कितनी? कई खर्चें, बच्चों की स्कूल का खर्चा, उनकी जिद्द और मांगें कैसे पूरी करें? बड़ी विकट स्थिति है लेकिन तारा संस्थान की गौरी योजना की 1000 रु. की मासिक पेंशन से काफी कुछ मदद हो गई है। जमना बाई दानदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए गुहार लगाती है कि जब तक बच्चे बड़े न हो जाए तब तक सहायता जारी रखें।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)
01 वर्ष - 12000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

मेरी उम्र भी दानदाताओं को लग जाए : गोपी बाई

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 वर्ष - 18000 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 माह - 1500 रु.

लगभग 35 वर्षीया गोपी बाई 20 वर्ष से निपट एकाकी जीवन जी रही है। उनके पति ने दूसरी शादी कर ली व इन दोनों में तलाक हो गया। गोपी के कोई संतान नहीं है। पीहर के लोग भी किसी प्रकार से सहयोग नहीं करते। एक टूटी–फूटी झोपड़ी में रहने वाली गोपी बाई को जब कभी कोई मजदूरी का काम मिल जाए तो पेट भर लेती है वरना भूखी ही सो जाती है। तारा संस्थान ने इस मुसीबत की मारी महिला को अपनी तृप्ति योजना के अन्तर्गत मासिक राशन व 300 रु. नकद देकर उसका कष्ट कुछ तो कम करने का प्रयास किया है। वह भगवान से प्रार्थना करती है कि दानदाताओं को मेरी उम्र भी लग जाए। अकेली गोपी बाई के लिए तो तारा संस्थान ही उसका परिवार है।

क्रोध से सब काम वैसे नहीं बनते, जैसे शांति से बनते है।

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल – उदयपुर :

विधवा महिलाओं के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा हेतु प्रकल्प :

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल का 5 वां सत्र् अप्रेल, 2018 से आरम्भ

मस्ती की पाठशाला :

कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु प्रकल्प : मस्ती की पाठशाला के सफल 2 वर्ष पूर्ण

विनम्र अपील :

फरीदाबाद वासी श्री राजू अग्रवाल ने सपरिवार अपनी पुत्री सुश्री शैफाली का जन्मदिन मनाकर एक नेत्र शिविर का आयोजन करवाया।

आप भी इसी प्रकार अपने स्थानीय लोगों को एक सेवाभावी शिविर का उपहार देवें

एक शिविर आप अपने सगे सम्बन्धियों की एनिवर्सरी या जन्मदिन के उपलक्ष्य में हमारे अस्पतालों में आम जनता के लिए भी करवा सकते हैं उस दिन आप स्वयं सपरिवार उपस्थित होकर आयोजन को अधिक आनन्दमय बना सकते हैं। यदि आप किसी अन्य शहर, कस्बे में नौकरी-धन्धा करते हैं और अपने जन्मस्थान आदि पर कोई सेवा कार्य करना चाहते हैं लेकिन समयाभाव के कारण नहीं कर पाते हैं तो आप सिर्फ सौजन्यकर्त्ता बनें एवं उस कार्य को सम्पूर्ण रूप से हम कर देंगे। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थान निम्न प्रकार से सम्पर्क कर सकते हैं :

फोन नं. : +91 9549399993, 9649399993

ईमेल : info@tarasansthan.org, वेबसाइट : www.tarasansthan.org

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

B-SCAN
बी-स्केन

यह आँख की सोनोग्राफी मशीन है जो विशेष रूप से आँख के पर्दे की जाँच में उपयोग होती है। मोतियाबिन्द के जिन मरीजों में पर्दा नहीं दिख पाता तथा डायबिटीज, ब्लड प्रेशर एवं आँख की चोट में यह विशेष रूप से सहायक है।

कीमत रु. **9,00,000/-** (नौ लाख रुपए)

OPERATING MICROSCOPE
ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप

सामान्य भाषा में इसे दूरबीन कहते हैं। आधुनिक मोतियाबिन्द के ऑपरेशन में यह अतिआवश्यक है। इसके द्वारा आँख की कई गुना बड़ी इमेज बनती है जिससे की अति सूक्ष्म सर्जरी भी की जा सकती है।

कीमत रु. **8,38,000/-** (आठ लाख अड़तीस हजार रुपए)

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु.

09 ऑपरेशन - 27000 रु.

06 ऑपरेशन - 18000 रु.

03 ऑपरेशन - 9000 रु.

01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

एक लीडर आशा का व्यापारी होता है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह मई – 2018 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर

सौजन्यकर्त्ता :

श्री साहिल आगल पुत्र श्री कैलाश चन्द आगल – अजमेर (राज.), हिसारिया ब्रदर्स – चैन्नई

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री कांति लाल जी, श्री भंवर लाल जी एवं श्री लक्ष्मी लाल जी बोराणा,
श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, मनोहरी देवी बिन्दल चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली,
वर्द्धमान प्लाजा – दिल्ली, धनुका एग्रीटेक लिमिटेड – दिल्ली

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डाकी प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : **सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गजियाबाद**

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : **कुल 22 शिविर (देशभर में)**

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपनी करुणा - सेवा भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) .... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर ....

दिनांक .... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) .... पिता (नाम) ....

निवास पता ....

लेण्ड मार्क .... जिला .... पिन कोड .... राज्य ....

फोन नम्बर घर / ऑफिस .... मो.नं. .... ई–मेल ....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान – सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

स्वागत :

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

(बाएं) श्री राजेन्द्र जैन
वलसाड (गुज.)

श्री दिनेश जी एवं परिवार, सूरत (गुज.)
(बीच में) श्रीमती कल्पना गोयल, निदेशक, तारा संस्थान

श्री गोविन्द भाई, श्री केशव भाई एवं परिवार
सूरत (गुज.)

Thanks :

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Mahesh - Mrs. Pushpa Shrivas
Bilaspur (CG)

Mr. Jagjivan V. - Lt. Mrs. Savita J. Jethva
Boriwali (E), Mumbai

Pandit Subhash Chandra Shastri
Mrs. Darshna Devi, Hiranagar, Kathua (J&K)

Pandit Ratan Paul - Mrs. Nirmal Kanta
Hiranagar, Kathua (J&K)

Mr. Tara Chand - Mrs. Anila Gupta
Agra (U.P.)

Mr. Om Prakash - Mrs. Vimla Hariyana
Jaipur (Raj.)

Mr. Kishan Lal - Mrs. Kamla Ben Jalvaniya
Keshod, Junagadh (Guj.)

Mr. Purushottam Lal - Mrs. Kaushalya Devi
Udaipur (Raj.)

Kumari Vimla Ji
Hiranagar (J&K)

Mrs. Ajeet Sharma
Kathua (J&K)

Dr. L.C. Madan
Nabha - Patiala (PB)

Lt. Mr. Chiranji Lal Soni
Sikar (Raj.)

Mrs. Shanta Devi
Agrawal. Boriwali (E), Mumbai

Mrs. Sadhna Ji
(J&K)

Lt. Mrs. Narmada Devi
Agrawal, Jaipur (Raj.)

Mr. Dalit Sing Singhi
Bilaspur (CG)

Mr. Radheshyam Lal
Shrivastav, Mozapur (U.P.)

Mr. Pramod Kumar
Bhandari. Kota (Raj.)

Miss. Siya Taneja
Uttam Nagar, New Delhi

Mrs. Kala Poddar
Nagpur (MH)

Mr. Ashok Pansari
Kishangarh (Raj.)

Mr. Sanjay Jais
Nagpur (MH)

Mrs. Indira Jha
Udaipur (Raj.)

Mrs. Mamta Singla
Mandi - Govindgarh (PB)

श्री दीनदयाल टेलर
अजमेर (राज.)

श्रीमती निर्मल नय्यर
रोपर (पंजाब)

श्री शांति लाल जैन
हैदराबाद

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

जिसे जीत लिए जाने का भय होता है उसकी हार निश्चित होती है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAK

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Sunil Sharma
Area Mumbai, Chennai
Cell : 07821855752

Suresh Kumar Lohar
Area Mumbai
Cell : 07821855759

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

'TARA' CENTRE - INCHARGE

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (UP)
Cell : 09412287735

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101
Cell : 09029643708

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNT

ICICI Bank (Madhuban)	A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045
State Bank of India	A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank	A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank	A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank	A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank	A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India	A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank	A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Yes Bank	A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Delhi

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. : +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai

Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post, Meera Road,
Thane - 401107 (Maharashtra),
Phone No. 022-28480001, +91 7821855753

TARA NETRALAYA - Faridabad

Bhatia Sewak Samaj (Regd.),
N.H. - 2, Block - D, N.I.T.,
Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur

#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad

25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town,
Allahabad - 211022 (U.P.)
Ph. No. (0532) 2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad

866, Sec - 15A,
Faridabad - 121007 (Haryana)
Mob. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL - Udaipur

H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, जून - 2018
प्रेषण तिथि - 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मित्ति
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	3500 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	(एक समय)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 12000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : icic0000045	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : cnrb0000169
SBI A/c No. 31840870750	IFSC Code : sbin0011406	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : cbin0283505
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166	PNB Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : punb0874300
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : utib0000097	YES Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : yesb0000651
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : hdfc0001273		

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

चैनल	समय
'पारस'	रात्रि 8:20 से 8:40 बजे
'आस्था भजन'	प्रात: 8:40 से 9:00 बजे
'आस्था'	रविवार दोपहर 2:30 बजे
'संस्कार चैनल'	दोपहर 2:40 से 2:55 बजे

बुक पोस्ट

Tara तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org